RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 098
दि. 06.08.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

सेंट्रल विस्टा परियोजना: पीएम मोदी आज करेंगे कर्तव्य भवन का उद्घाटन, गृह-विदेश समेत कई बड़े मंत्रालय यहां होंगे शिफ्ट

नई दिल्ली। (जीएनएस)।

पीएम मोदी आज दिल्ली के कर्तव्य पथ स्थित कर्तव्य भवन का उद्घाटन करेंगे। दिल्ली के अलग-अलग भवनों में बिखरे केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय व विभाग जल्द ही कर्तव्य पथ के दोनों तरफ बन रहे कर्तव्य भवनों में दिखेंगे। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल दस भवनों का निर्माण होना है।

जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

इनमें से कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार हो गया है, इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अगस्त को दोपहर 12.15 बजे करेंगे। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। इनमें मंत्रालयों के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल होंगे।

कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार

शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 के सभागार में पत्रकारों से चर्चा में बताया कि अगले महीने तक कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 भी बनकर तैयार जाएंगे।

अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे

दोनों का काम लगभग अंतिम चरण में है। प्रस्तावित अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। मंत्रालयों के लिए बनाए जा रहे इन भवनों में तकनीक, सुरक्षा व पर्यावरण अनुकूलता का पूरा ख्याल रखा गया है। पूरे भवन की निगरानी के लिए एक कमांड सीसीटीवी सेंटर भी बनाया गया है,जहां से परिसर व अंदर के गलियारों पर पैनी नजर रखी जाएगी।

खास बात यह है कि केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए नवनिर्मित इन नए भवनों को पहले कामन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीसीएस) नाम दिया गया था। इन कर्तव्य भवनों को मेट्रो लाइन से जोड़ने के लिए इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन से एक नई लाइन बनाने का प्रस्ताव किया गया है।

भारतीय सेना ने साफ किया- जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन नहीं हुआ

(जीएनएस)।

भारतीय सेना ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा (LoC) पर संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरों का खंडन किया है। सेना ने साफ किया है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, जिसके विपरीत खबरें फैलाई जा रही थीं।

इससे पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतीय सेना ने पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से हुए संघर्ष विराम उल्लंघन का जवाब दिया। रिपोर्टों में बताया गया था कि यह गोलीबारी 15 मिनट तक चली, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं थी।

सेना ने इन सभी दावों को खारिज करते हुए दोहराया है कि "नियंत्रण रेखा पर कोई संघर्ष विराम उल्लंघन नहीं हुआ है।" यह स्पष्टीकरण उन अफवाहों को शांत करने के लिए आया है, जो पहले से ही तनावपूर्ण माहौल में और अनिश्चितता पैदा कर रही थीं।

गौरतलब है कि मई में भारत और

पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ था। 9 मई को पाकिस्तान रेंजर्स ने जम्मू सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (BSF) की चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू कर दी थी।

इस घटना के बाद BSF ने त्वरित और ठोस जवाब दिया। BSF, जो 3,323 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा की रक्षा के लिए जिम्मेदार है, ने जवाबी कार्रवाई की। जम्मू डिवीजन के इरऋअधिकारियों ने पुष्टि की कि भारतीय सेना ने "उचित तरीके से" जवाब दिया, जिससे सीमा पार पाकिस्तानी चौकियों और संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ।

BSF ने एक बयान में कहा, "9 मई 2025 को लगभग रात 9 बजे से पाकिस्तान ने जम्मू सेक्टर में इरऋ चौकियों पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। BSF अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचाते हुए उसी अनुपात में जवाब दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने फिर धमकाया- 'अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफ में हो सकती है बड़ी बढ़ोत्तरी'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संकेत दिया कि वे अगले 24 घंटों में भारत पर शुल्क दरों में "काफी" वृद्धि कर सकते हैं। यह बयान रूसी तेल और अन्य सैन्य उत्पादों की खरीद के कारण भारत पर शुल्क बढ़ाने की उनकी एक दिन पहले की प्रतिज्ञा के बाद आया है।

सीएनबीसी से बात करते हुए, ट्रंप ने फिर दोहराया कि अमेरिका के सामानों पर भारत में दुनिया के सबसे अधिक टैरिफ लगते हैं। उन्होंने कहा, "भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है, क्योंकि वे हमारे साथ बहुत व्यापार करते हैं, लेकिन हम उनके साथ व्यापार नहीं करते हैं।

यूसीसी पर गठित समिति की अध्यक्ष सेवानिवृत्त जस्टिस श्रीमती रंजना देसाई तथा सदस्यों ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

गांधीनगर, 05 अगस्त : राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की आवश्यकता का आकलन करने तथा कानून का मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति की अध्यक्ष एवं उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई तथा पाँच सदस्यों ने मंगलवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट-बैठक की।

इस मुलाकात-बैठक के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को समिति के कामकाज की प्रगति का विवरण दिया।

प्रधानमंत्री जी की 'वोकल फॉर लोकल' परिकल्पना को 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के माध्यम से साकार किया जा रहा : सीएम योगी

लखनऊ : (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि हमें नये भारत का उदीयमान अलीगढ़ देखने को मिल रहा है। आज अलीगढ़ बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़कों, डिफेन्स कॉरीडोर, विश्वविद्यालय तथा बेहतरीन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए जाना जा रहा है। डबल इंजन सरकार इन सभी सुविधाओं को आप तक बिना भेदभाव के पहुंचा रही है। अलीगढ़ ने ताला उद्योग व हार्डवेयर के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल आइटम व ब्रास की मूर्ति के केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सेना की साज-सज्जा के लिए बनने वाले अधिकतर उपकरणों हेतु अलीगढ़ के हार्डवेयर की मांग होती है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद अलीगढ़ में 957.82 करोड़ रुपये की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित जनसभा में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसमें 457.62 करोड़ रुपये की 83 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 500.20 करोड़ रुपये की 103 परियोजनाओं का शिलान्यास सम्मिलित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, टैबलेट आदि प्रदान किये। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जनपद को रक्षाबन्धन पर्व से ठीक पूर्व 957 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। अलीगढ़ में पेयजल की पुनर्गठन स्कीम, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अतरौली से अतरौली रेलवे स्टेशन मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, अतरौली में राजकीय महाविद्यालय, अलीगढ़ नगर के स्काई टावर परिसर में 900 किलोलीटर क्षमता के भूमिगत जलाशय का लोकार्पण हो रहा है। यहां अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम धामी, भयंकर तबाही में हो रहे रेस्क्यू की संभाली कमान, 130 से ज्यादा रेस्क्यू

(जीएनएस)।

उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने से भयंकर तबाही हुई है। धामी सरकार के सामने एक बार फिर प्राकृतिक आपदा से निपटने की भारी चुनौती है। दोपहर में जब धराली गांव में तबाही मची तो सीएम पुष्कर सिंह धामी आंध्र प्रदेश में एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे, सीएम धामी को जैसे ही इस घटना के बारे में जानकारी मिली, सीएम धामी ने तुरंत कार्यक्रम निरस्त कर देहरादून के लिए रवाना हुए।

देहरादून पहुंचते ही सीएम धामी आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे और हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की घटना से से प्रभावित क्षेत्र में चल रहे हैं रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया। मुख्यमंत्री ने कहा

कि सरकार के लिए एक-एक व्यक्ति की जान अमूल्य है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी उत्तरकाशी सहित सम्बंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी सेना, रऊभ्रू ठऊभ्रू जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित टीमों को प्रभावी समन्वय के साथ राहत कार्यों को तत्परता सम्पादित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने संबंधित सभी वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया तथा स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने शिक्षा विभाग तथा जिलाधिकारी को प्रभावित क्षेत्र में आपात-कालीन सेवाओं को छोड़कर सभी शैक्षणिक तथा अन्य संस्थान बंद करने के निर्देश दिए हैं। धामी ने नेटवर्क व्यवस्था को बहाल करने, धराली एवं हर्षिल क्षेत्र में आपदा प्रभावितों तत्काल रेस्क्यू के बाद होटल, होमस्टे आदि में रहने, खाने और दवाइयां की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से हर्षिल क्षेत्र में बन रही झील को जल्द से जल्द खुलवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए प्रभावितों को एयरलिफ्ट करवाने तथा तत्काल भोजन, दवाइयां तथा कपड़े आदि भेजने के लिए वायु सेना के टक17 का सहयोग लेने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी में जिलाधिकारी के रूप में सेवा दे चुके अपर सचिव डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट, अभिषेक रोहिल्ला और गौरव कुमार को नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने अपर सचिव विनीत कुमार को नोडल अधिकारी की तत्काल तैनाती करते हुए जो उत्तरकाशी में ही रह कर कैंप करने के निर्देश दिए हैं। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे शासन स्तर से धराली आपदा के नोडल अधिकारी नामित करने की निर्देश दिए हैं।

एसडीआरएफ आइटीबीपी तथा अन्य राहत एजेंसियों ने मिलकर लगभग 130 से अधिक लोगों का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

कई राज्यों के पूर्व राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक का दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन

जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के पूर्व राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक का 5 अगस्त 2025 (मंगलवार) को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे और 11 मई 2025 से राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती थे। उनके निजी सचिव केएस राणा ने उनके निधन की पुष्टि की है।

सत्यपाल मलिक ने 5 अगस्त 2025 को दोपहर 1:10 बजे अंतिम सांस ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वे लंबे समय से किडनी फेल्योर और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन से पीड़ित थे।

मेट्रो की तस्वीर बदलेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(जीएनएस)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के लिए हो रहा है। पूरी दुनिया में एआई टेक्नोलॉजी लगभग हर फील्ड में इस्तेमाल की जा रही है। दिल्ली मेट्रो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यात्रा के तरीके को बदलने जा रही है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (ऊटफ्ठ) ने यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए इसकी शुरूआत भी कर दी है। अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग सफल रहता है, तो टिकटिंग सिस्टम को खत्म कर दिया जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके फेस रिकगनाइजेशन के जरिए एंट्री होगी। इससे टिकट लेने के झमेले की जरूरत नहीं होगी। टिकट काउंटर पर लंबी लाइन से भी निजात मिल सकेगी।इस तकनीक के तहत यात्रियों को न टोकन लेने की जरूरत होगी और न ही स्मार्ट कार्ड स्कैन करने की। स्टेशन पर लगे कैमरे यात्री के

अब टिकट और स्मार्ट कार्ड का झंझट होगा खत्म!

चेहरे को स्कैन करेंगे और एंट्री के साथ-साथ किराया भी ऑटो कट हो जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, डीएमआरसी ने पहले चरण के लिए इस सिस्टम का ट्रायल कश्मीरी गेट, बाराखंभा रोड, राजीव चौक, लाजपत नगर, हौज खास और बदरपुर जैसे चुनिंदा स्टेशनों पर शुरू किया है। इसे "Automatic Fare Collection- AFC 2.0 Project" नाम दिया गया है। DMRC की योजना है कि यदि यह तकनीक सफल रही तो 2026 तक इसे मेट्रो के सभी प्रमुख कॉरिडोरों येलो, ब्लू और पिंक लाइन तक बढ़ा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में अब अधिकारियों ने भी अपनाया 'समीक्षा उपक्रम', अंबाजी पहुँचे पर्यटन सचिव राजेन्द्र कुमार

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 5 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पिछले कुछ समय से राज्य के हाई प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करने का नया उपक्रम प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री के इसी उपक्रम को अब उच्चाधिकारियों ने भी अपनाना शुरू किया है। इसी क्रम में पर्यटन विभाग के सचिव श्री राजेन्द्र कुमार ने प्रसिद्ध यात्राधाम अंबाजी में 1 सितंबर से शुरू होने वाले भाद्रपदी पूनम मेले की तैयारियों की समीक्षा की।

अंबाजी में भाद्रपदी पूर्णिमा महामेला इस वर्ष 1 सितंबर 2025 से 7 सितंबर, 2025 तक आयोजित होगा। इस महामेले में 35 से 40 लाख श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना हैं। महामेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पर्यटन सचिव श्री राजेन्द्र कुमार अंबाजी पहुँचे, जहाँ उन्होंने श्रृंखलाबद्ध बैठकें कर सम्बद्ध विभागों

व अधिकारियों के साथ अंबाजी मेले की तैयारियों के साथ ही रींछडिया महादेव तथा तेलिया इको ट्रेल विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सम्बद्ध स्थलों का प्रत्यक्ष दौरा भी किया।

अंबाजी मेले में श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता-सुरक्षा का मंत्र

शक्ति, भक्ति एवं प्रकृति के त्रिवेणी संगम समान यात्राधाम अंबाजी में गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड, बनासकाँठा जिला प्रशासन तथा श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट-अबाजी के संयुक्त उपक्रम से भाद्रपदी पूनम मेला आयोजित होता है। बैठक में श्री कुमार ने मेले में उमड़ने श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता-सुरक्षा के मंत्र के साथ सुदृढ़ व उत्तम व्यवस्थाएँ प्रदान करने की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में अंबाजी मेले में यात्रियों की सुरक्षा, एसटी बस, इलेक्ट्रिसिटी, क्राउड मैनेजमेंट, पीने के पानी, अस्थायी विराम-विश्राम स्थल, भोजन, सफाई, स्वास्थ्य, सेनिटेशन, फायर सेफ्टी आदि विषयों पर जरूरी मार्गदर्शन एवं सुझाव दिए गए। स्वच्छता, सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण पर विशेष बल दिया गया। गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड के सदस्य सचिव श्री रमेश मेरजा ने अंबाजी मेले के दौरान बोर्ड द्वारा की जाने वाली अस्थायी निवास, पार्किंग, रोशनी आदि की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

सम्पादकीय

यूएस की भारत पर दबाव बनाने की कोशिशें जारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में धमकी देते हुए कहा है कि "भारत अच्छा व्यापारी साथी नहीं है, क्योंकि वह हमारे साथ बहुत व्यापार करता है किन्तु हम उसके साथ बिजनेस नहीं करते। ऐसे में हमने 25 प्रातिशत टैरिफ तय किया है लेकिन मैं इस दर को अगले 24 घंटे में काफी ज्यादा बढ़ाने जा रहा हूं।" एक दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद सोशल मीडिया पर कहा था कि "भारत न सिर्प रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है बल्कि मोटा मुनाफा कमाने के लिए खुले बाजार में बेच रहा है। उन्हें फर्व नहीं पड़ता कि रूसी युद्ध के चलते यूव्रेन में कितने लोग मर रहे हैं।"

मंगलवार को ही अमेरिका के कई सांसदों ने भारत पर रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप का समर्थन किया और यहां तक कहा कि भारत के नागरिकों का एच-1 बी वीजा खत्म कर देना चाहिए क्योंकि वह यूव्रेन रूस युद्ध में 'युद्ध लाभ' ले रहा है। अमेरिका को लगता है कि भारत पर यदि इसी तरह दबाव डाला जाएगा तो वह रूस से तेल लेना बंद कर देगा। लेकिन उसे यह भी पता है कि तेल तो चीन भी रूस से खरीद रहा है किन्तु उसकी हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वह बीजिग को टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे।

मजे की बात तो यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों पर भारत ने भी अब खुलकर प्रातिव्रिया व्यक्त करना शुरू कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता ने दो टूक कहा कि भारत की विदेश नीति वाशिगटन डीसी तय नहीं कर सकता। भारत ने स्पष्ट किया कि "रूस व यूव्रेन युद्ध के समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा इस तरह के आयात को सव्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।" भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत रूस से जो आयात करता है, उसका उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की लागत को किफायती बनाए रखना है। यही नहीं विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की पोल पट्टी खोलते हुए सवाल किया कि "वह तो अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्सा फ्लोराइड, अपने ईंवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक रसायनों का आयात जारी रखे हुए हैं।"

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अकेले नहीं हैं जो भारत के खिलाफ अनुचित और अविवेकपूर्ण पैसले ले रहे हैं। भारत के खिलाफ वहां के प्राशासन में शामिल वे लोग भी शामल हैं जो इस बात से बहुत परेशान हैं कि भारत ने अमेरिका का विकल्प बहुत पहले से तैयार कर रखा है। भारत जानता था कि उसकी उभरती अर्थव्यवस्था के प्राति अमेरिका की सहनशीलता जरूर जवाब देगी। इसलिए उसने अप्रीका के देशों से 2015- 16 से ही संबंध मजबूत करना शुरू कर दिया था। जी-20 सम्मेलन के दौरान प्राधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ को साधने के लिए ही सभी अप्रीकी देशों को सदस्यता दे दी। उस वक्त तो किसी भी देश ने भारत के इस कदम की आलोचना नहीं की किन्तु राष्ट्रपति ट्रंप को अब इस बात का एहसास हुआ कि भारत ने ग्लोबल साउथ से संबंध मजबूत करने के लिए ही उन्हें जी-20 की सदस्यता दिलवाईं थी।

बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्राशासन अब चाहे जितना प्रायास कर ले, भारत झुकने वाला नहीं है। भारत के लिए जरूरी है कि वह अमेरिका में निर्यात को नियंत्रित करके उसको सीमित कर दे ताकि उसके द्वारा लगाए जाने वाले आयात कर का व्यापार पर विशेष प्राभाव पड़े ही नहीं।भारत को तत्काल 'रिक' यानि रूस, भारत, चीन की तिकड़ी को व्यापार बढ़ाना चाहिए। ब्रिक्स की सदस्यता और देशों को देना चाहिए तथा डालर को व्यापार की मुद्रा नहीं मानने का ऐलान करना चाहिए। यही नहीं भारत को अमेरिकी उत्पाद या वस्तुओं के आयात की मात्रा बिल्वुल कम कर देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि इससे आर्थिक संवुचन का असर भारत पर पड़ेगा। भारत के लिए अप्रीका में असीम संभावनाएं हैं। वहीं अपना निर्यात बढ़ाए और निवेश की संभावनाएं तलाशे।

भारत के लिए जरूरी है कि वह अमेरिका को इस बात का एहसास दिलाए कि उसके बिना भी भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को जारी रखने में समर्थ है।

अमेरिका में 17 लाख प्रवासियों की नौकरियां गईं, भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर क्यों?

(जीएनएस)।

अमेरिका में नौकरी करना न केवल एक करियर का सपना है, बल्कि लाखों युवाओं के लिए उम्मीदों और तरक्की की उड़ान भी है। हर महीने की तनख्वाह डॉलर में मिले और ज़िन्दगी में स्टेटस का नया मुकाम हासिल हो। ऐसा ख्वाब लेकर हर साल लाखों लोग अमेरिका की ओर रुख करते हैं। लेकिन हाल ही में जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने उस 'अमेरिकन ड्रीम' को करारा झटका दिया है, जिसकी चमक लाखों युवाओं को आकर्षित करती रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 17 लाख प्रवासी कामगारों की नौकरियां छिन गई हैं। इनमें बड़ी तादाद भारतीयों की भी है। अब सवाल उठता है कि आखिर ये नौकरियां क्यों खत्म हो गईं? क्या इसका असर भारत पर भी पड़ेगा? और क्या अब अमेरिका में नौकरी का सपना देखना खतरे से खाली नहीं? आइए समझते हैं इस झटके की पूरी कहानी।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी ने रोजगार के ताजा आंकड़े पेश किए हैं, जो प्रवासियों के लिए चिंताजनक हैं, क्योंकि रिपोर्ट में बताया गया है कि नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर अब तक करीब 17 लाख प्रवासी कर्मचारियों को पे रोल से हटा दिया गया है, यानी उन्होंने अपनी नौकरियां गंवा दी हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ विश्लेषकों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद सख्त वीजा और आव्रजन नीतियों के चलते अब तक करीब 12 लाख प्रवासी नौकरियों से बाहर हो चुके हैं।

अमेरिका में घटती नौकरियों के संकट का सबसे ज्यादा भारत पर पड़ रहा है, क्योंकि अमेरिका में भारतीय डॉक्टर, आईटी पेशेवर और इंजीनियरों की संख्या सबसे अधिक है।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी मूल के कामगारों की कुल संख्या 7 लाख 35 हजार घटी। मई-जून के संशोधित आंकड़ों के मुताबिक, 2.58 लाख नौकरियां खत्म हुईं, जिससे प्रवासियों में असुरक्षा और बढ़ गई है। बेरोजगारी की दर 4.2 प्रतिशत तक आ गई। वहीं, पूरे जुलाई माह में 73 हजार नई नौकरियां मिली हैं।

अमेरिकी श्रमशक्ति में प्रवासियों की स्थिति

usafacts.org की अगस्त 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार 32.2 मिलियन (3.22 करोड़) प्रवासी अमेरिका की वर्कफोर्स का हिस्सा हैं। यानी अमेरिका की कुल श्रमशक्ति का 19% से अधिक अब विदेश में जन्मे लोगों के पास है। 30.9 मिलियन प्रवासी जून 2024 तक नौकरी में सक्रिय थे। बाकी लोग रोजगार की तलाश में थे। प्रवासियों का श्रम भागीदारी दर अब 67% तक पहुंच चुकी है। यह कोविड से पहले के स्तर (2019) से भी ऊपर है।

अमेरिका में भारतीयों की ताकतः 52 लाख से ज्यादा

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में रहने वाला भारतीय मूल का समुदाय अब 52 लाख (5.2 मिलियन) से अधिक हो चुका है। साल 2000 में यह संख्या 18 लाख थी, यानी बीते दो दशकों में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। यह समुदाय अब अमेरिका में एशियाई मूल के लोगों में दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है। भारतीय-अमेरिकी अब अमेरिका की एशियाई आबादी का करीब 21% हिस्सा हैं। यह तेजी से बढ़ोतरी प्रवासी पेशेवरों और छात्रों की लगातार आमद का नतीजा है। अंग्रेजी दक्षता के मामले में भारतीय अमेरिकी अन्य एशियाई समुदायों की तुलना में सबसे आगे हैं।

1 घंटे में कितनी बारिश होने को बादल फटना कहते हैं, उत्तराखंड में ही क्यों बरपता ऐसा कुदरती कहर?

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने के वायरल वीडियो में तबाही का जो दृश्य सामने आया है, वह बेहद भयावह है और लोगों को झकझोर देने वाला है। यह खौफनाक मंजर देखकर हर किसी के मन में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर बादल फटना होता है क्या और ऐसे हादसे में उत्तराखंड या अन्य पहाड़ी इलाकों से ही क्यों सामने आते हैं?

वनइंडिया हिंदी से बातचीत में राजस्थान के मौसम विशेषज्ञ राधेश्याम शर्मा कहते हैं कि बादल फटने को समझने के लिए इसके तकनीकी और जमीनी पहलुओं को आसान भाषा में जानना जरूरी है। वैसे राजस्थान जैसे मैदानी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं आमतौर पर नहीं होती हैं। बादल फटने का सबसे अधिक जोखिम उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी इलाकों में है।

एक घंटे में 100 एमएम बारिश को बादल फटना कहते हैं

शर्मा ने बताया कि "बादल फटना एक ऐसी स्थिति होती है जब बहुत कम समय में एक छोटे इलाके में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश दर्ज होती है।" भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) के अनुसार, यदि एक घंटे में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश दर्ज होती है, तो उसे 'क्लाउडबर्स्ट' यानी बादल फटना माना जाता है।

बादल फटने की घटना के बाद भारी बारिश होती है। पहाड़ी जमीन उसे सोख नहीं पाती, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो सकती हैं। पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटना अधिक खौफनाक इसलिए भी हो जाती है, क्योंकि वहां पानी जमीन में सोखने की बजाय ढलान की ओर तेजी से आता है और उस तेज बहाव वाले पानी के रास्ते में जो कुछ आता है वह उसे तबाह कर देता है।

पहाड़ों में ही क्यों फटते हैं बादल?

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश या पूर्वोत्तर भारत में असम और मेघालय से मानसून में अक्सर बादल फटने की घटनाएं सामने आती हैं। सवाल है कि आखिर पहाड़ी इलाकों में ही बादल क्यों फटते हैं? इस पर राधेश्याम शर्मा कहते हैं कि मानसूनी बादलों की हाइट कम होती है। मैदानी इलाकों में तो कोई दिक्कत नहीं होती, मगर पहाड़ों में पानी से भरे बादल ट्रेप हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि मानसूनी बादल पहाड़ों से टकराकर एक ही जगह रुक जाते हैं और आगे नहीं बढ़ पाते। इसलिए अचानक से बादल फटने की घटनाएं हो जाती हैं।

उत्तरकाशी के धराली गांव में कैसे फटा बादल?

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से आई भयंकर बाढ़ आई और बड़ी तबाही दिखी। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहाड़ों में अचानक बादल फट गया और ढलान की ओर पानी का सैलाब इतनी तेजी से आया कि घरों व होटलों में मौजूद लोगों को बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जाने का मौका ही नहीं मिला। इस तबाही में न केवल दर्जनों घर पलभर मलबे के ढेर में तब्दील हो गए बल्कि बड़ी संख्या में लोग भी मारे जाने की आशंका है।

उत्तरकाशी में बादल फटनाः चार की मौत, 50 लापता

मीडिया से बातचीत में उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि बादल फटने की घटना में अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। 50 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बचाव व राहत कार्य शुरू करवा दिए गए हैं। उधर, उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि 'धराली (उत्तरकाशी) क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए रऊअक्र ठऊअक्र जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं।'

हर विधानसभा में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, योजना के लिए 94 करोड़ की मंजूरी

(जीएनएस)।

बिहार सरकार छात्रों के लिए शैक्षिक पहुंच में सुधार के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित कर रही है। इस पहल में धन और बुनियादी ढांचे का समर्थन शामिल है।

राज्य सरकार बच्चों को डिजिटल तरीके से शिक्षा देने पर अब खासतौर से फोकस करने पर जोर दे रही है। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए छात्रों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा प्रदान कराई जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाय) का क्रियान्वयन किया जाना है। कैबिनेट से इसके प्रस्ताव पर मंजूरी देते हुए 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन के लिए सुपरवाइजर और तकनीकी इनचार्ज की व्यवस्था की जाएगी।

प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में होगी यह सुविधाः- प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में 10 कंप्यूटर टर्मिनल लगाए जाएंगे। इसके अलावा विद्युत और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी लगाई जाएगी। 10 कंप्यूटर को लगाने के लिए कम से कम 300 वर्गफूट का क्षेत्र की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय परिसर, नगर परिषद भवन, विकासन भवन, कम्यूनिटी लाइब्रेरी के अलावा जिन सरकारी स्कूल या कॉलेज परिसर में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हो, तो इसे स्थापित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र की स्थापना पटना जिला में किया जाएगा। इस केंद्र में 60 कंप्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्रीय मॉडल लाइब्रेरी केंद्र में 50 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की

जाएगी।

भागलपुर के पीरपैंती में बनने वाले सौर ऊर्जा प्लांट के स्थान पर अब ताप विद्युत परियोजना की स्थापना की जाएगी। बिहार राज्य पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड को लीज पर उपलब्ध कराई गई भूमि को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली की प्रक्रिया से न्यूनतम निविदादाता को निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क की अदायगी पर इसे दिया जाएगा। लीज की समान शर्तों यानी 1 रुपये प्रतिवर्ष के सांकेतिक दर पर 33 वर्षों या बिजली आपूर्ति एकरारनामा अवधि (जो न्यूनतम होगी) की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। यहां 800 मेगावाट क्षमता की 3 यूनिटें स्थापित की जाएगी।

बस संचालकों को दिया जाएगा अनुदान

देश के दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से दुर्गा पूजा, छठ समेत ऐसे अन्य पर्व-त्योहार के मौकों पर आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। इसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकरारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए इन्हें 35 करोड़ 64 लाख रुपये एवं योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत अर्थात 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के लिए कई स्थान पर जमीन अधिग्रहण

विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार देने के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके तहत नालंदा के हरनौत एवं चंडी अंचल में संयुक्त रूप से 524.95 एकड़ जमीन, मुजफ्फरपुर के पारू, भोजपट्टी, हरपुर, विशुनपुर सरैया में कुल रकवा 700 एकड़ जमीन, सुपौल के सरायगढ़-भपटीयाही के सरायगढ़ मौजा एवं पिपरा के विशुनपुर मौजा के लिए 498.06 एकड़ जमीन, कटिहार के मनसाही अंचल में 252 एकड़ जमीन और औरंगाबाद के कुटुंबा अंचल के विभिन्न मौजा में 441 एकड़ जमीन का अधिग्रण किया जाएगा। ये सभी जमीन का अधिग्रहण आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार के स्तर से किया जाएगा।

कैबिनेट में लिए गए अन्य महत्वपूर्ण फैसलेः-

इस वर्ष विधानसभा चुनाव में राज्यभर में मौजूद 90 हजार 712 मतदाना केंद्रों पर प्रति मतदान केंद्र दो कैमरा स्थापित करने, वेबकास्टिंग करने समेत अन्य कार्यों के लिए 154 करोड़ 30 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

राज्य की नगरपालिका क्षेत्रों में नए पेट्रोल पंप एवं सीएनजी स्टेशनों के निर्माण के लिए अब न्यूनतम भूखंड का आकार 20 मीटर लंबाई और 20 मीटर चौड़ाई की जरूरत है।

बिहार परिवहन क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवाशर्त) नियमावली-2025 को स्वीकृत किया गया है। इसके तहत क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति एवं प्रोन्नति की कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली की दुकानों के लिए अब प्रत्येक सोमवार के अलावा 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर के साथ-साथ छठ पूजा, दुगार्पूजा (नवमी एवं दशमी) और ईद के अवसर पर छुट्टी रहेगी।

जमुई जिला में मैग्नेटाइट (लौह अयस्क) के मजोस एवं भंटा ब्लॉक की ई-नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य की स्वीकृति दी गई है।

बिग बॉस का सपना दिखाकर भोपाल में 10 लाख की ठगी, फिल्मी अंदाज में जालसाजों ने बुना जाल!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक सनसनीखेज ठगी का मामला सामने आया है, जो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' में बैकडोर एंट्री का लालच देकर एक मशहूर डॉक्टर से 10 लाख रुपये ठग लिए गए। यह घटना चूनाभट्टी थाना क्षेत्र की है, और पुलिस अब इस मामले की गहन जांच में जुटी है।

जालसाजों ने फिल्मी स्टाइल में अपने शिकार को फंसाया और कई किश्तों में पैसे ऐंठे। आइए, जानते हैं इस ठगी की पूरी कहानी।

सपनों का झांसाः बिग बॉस में एंट्री का लालच

भोपाल के जाने-माने डमेटीलॉजिस्ट और पॉइजन स्किन क्लिनिक के संचालक डॉ. अभिनीत गुप्ता को 3 अक्टूबर 2022 से 5 जुलाई 2023 के बीच ठगी का शिकार बनाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दौरान उनकी मुलाकात करण सिंह नाम के एक शख्स से हुई, जिसने खुद को इवेंट डायरेक्टर बताते हुए दावा किया कि उसके बड़े प्रोडक्शन हाउसेज से गहरे रिश्ते हैं। करण ने डॉ. गुप्ता को भरोसा दिलाया कि वह उन्हें बिग बॉस जैसे हाई-प्रोफाइल रियलिटी शो में बैकडोर एंट्री दिला सकता है।

डॉ. गुप्ता, जो टीवी की चकाचौंध और बिग बॉस की लोकप्रियता से प्रभावित थे, इस लालच में आ गए। करण सिंह ने उनसे कास्टिंग टीम से मीटिंग, ऑडिशन की तैयारी और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर कई किश्तों में 10 लाख रुपये वसूल लिए। लेकिन जब बिग बॉस की आधिकारिक कंटेस्टेंट लिस्ट जारी हुई और डॉ. गुप्ता का नाम उसमें नहीं था, तो उन्हें ठगी का शक हुआ।

फिल्मी अंदाज में ठगीः जालसाजों की चालाकी

करण सिंह ने डॉ. गुप्ता को भरोसा दिलाने के लिए एक के बाद एक झूठ

का जाल बुना। पहले तो उन्होंने दावा किया कि उनकी एंट्री "बैकडोर प्रोसेस" के जरिए होगी, लेकिन जब यह भी नहीं हुआ, तो डॉ. गुप्ता ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। इसके बाद करण ने फोन कॉल्स उठाने बंद कर दिए और अंततः अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया। इस ठगी की स्क्रिप्ट इतनी चालाकी से लिखी गई थी कि पीड़ित को लंबे समय तक भनक भी नहीं लगी।

जब डॉ. गुप्ता को ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत करण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जांच में पता चला कि जालसाज ने डॉ. गुप्ता को कई बार कास्टिंग डायरेक्टर्स और प्रोडक्शन हाउस के कथित प्रतिनिधियों से बातचीत का भरोसा दिलाया, जो सब फर्जी थे।

पुलिस की कार्रवाईः जालसाज की तलाश तेज

चूनाभट्टी पुलिस इस मामले की गहन जांच में जुटी है। पुलिस को संदेह है कि करण सिंह अकेले नहीं, बल्कि एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का हिस्सा हो सकता है। जांच में यह भी सामने आया है कि जालसाज ने पीड़ित से कई किश्तों में पैसे लिए, जिसके लिए अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस अब इन खातों की डिटेल्स और मोबाइल कॉल रिकॉड्र्स की जांच कर रही है ताकि जालसाज तक पहुंचा जा सके।

पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि इस तरह की ठगी के मामले भोपाल में बढ़ रहे हैं, जहां लोग टीवी और मनोरंजन जगत की चमक-दमक के लालच में आसानी से फंस जाते हैं। साइबर क्राइम ब्रांच को इस मामले में तकनीकी सहायता के लिए शामिल किया गया है, और जल्द ही जालसाजों तक पहुंचने की उम्मीद है।

भोपाल में साइबर ठगी का बढ़ता खतरा

यह घटना भोपाल में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों का एक और उदाहरण है। हाल के वर्षों में, साइबर ठग लोगों को तरह-तरह के लालच देकर ठग रहे हैं। चाहे वह ऑनलाइन जॉब का झांसा हो, डिजिटल अरेस्ट का डर हो, या फिर रियलिटी शो में एंट्री का सपना। 2021 से 2025 तक मध्य प्रदेश में 1054 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई, जिसमें से केवल 1.94 करोड़ रुपये ही रिकवर हो पाए। यह आंकड़ा पुलिस की साइबर विंग की कमजोरी को उजागर करता है।

लोगों को सावधान रहने की जरूरत

इस घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि साइबर ठग कितने शातिर हो सकते हैं। वे न केवल पीड़ितों की कमजोरियों को भांप लेते हैं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं का भी फायदा उठाते हैं। पुलिस ने लोगों

कौन हैं सीएम धामी के ये 4 ट्रस्टेड आईएएस, जो धराली के 'क्राइसिस कमांडर'!

(जीएनएस)।

5 अगस्त 2025 को उत्तरकाशी का धराली गांव प्रकृति के प्रकोप का शिकार बन गया। दोपहर 1:45 बजे खीर गंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटने से बाढ़ और भूस्खलन ने गांव को मलबे के ढेर में बदल दिया। कम से कम 4 लोगों की मौत, 50 से अधिक लापता, और होटल-होमस्टे तबाह-यह त्रासदी उत्तराखंड के इतिहास में एक और काला अध्याय जोड़ गई।

इस संकट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने चार भरोसेमंद IAS अधिकारियों को मोर्चे पर उतारा है। ये 'क्राइसिस कमांडर' धराली की तबाही को संभालने के लिए दिन-रात जुट गए हैं। आइए जानते हैं, कौन हैं ये चार सुपर कअर और कैसे बदल रहे हैं हालात?...

2017 बैच के IAS प्रशांत कुमार आर्य 20 जून 2025 को उत्तरकाशी के 25वें जिलाधिकारी बने। महज 46 दिन में उन्हें दो बड़े हादसों-बलिगढ़ (29 जून) और धराली (5 अगस्त)-से निपटना पड़ा। उनकी त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी कार्यशैली ने उन्हें CM धामी का भरोसेमंद बनाया।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः पौड़ी गढ़वाल में उऊ्ड, देहरादून में जिला पंचायत सचिव, महिला एवं बाल विकास निदेशक, आबकारी आयुक्त (27 फरवरी 2024 से), और गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक।

कार्यशैलीः जनता से सीधा संवाद, कड़क प्रशासन, और योजनाओं में पारदर्शिता। वे आपदा प्रबंधन और चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए जाने जाते हैं।

धराली में योगदानः प्रशांत आर्य ने तुरंत सेना, NDRF, SDRF, और क्ळइढ को मोर्चे पर उतारा। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर (01374-222126, 01374-222722, 9456556431) जारी किए और ड्रोन सर्विलांस शुरू करवाया। उनकी अगुवाई में 20 लोग बचाए गए, और घायलों को हर्षिल के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया।

2015 बैच के उत्तराखंड कैडर के IAS अभिषेक रूहेला वर्तमान में अपर सचिव (कौशल विकास एवं सेवा योजना) हैं। 5 मई 1988 को जन्मे, 37 वर्षीय रूहेला ने IIT रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग में B.Tech किया और UPSC 2015 में 327वीं रैंक हासिल की। उनका तकनीकी बैकग्राउंड और प्रशासनिक कुशलता उन्हें आपदा प्रबंधन के लिए आदर्श बनाती है।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः सहायक सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण), सिटी मजिस्ट्रेट, अपर सचिव (पर्यटन, स्कूल शिक्षा), टिहरी में CDO, और उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक।

कार्यशैलीः तकनीकी दृष्टिकोण और ग्रामीण विकास पर फोकस। वे बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन में विशेषज्ञता रखते हैं।

धराली में योगदानः CM धामी ने अभिषेक को उत्तरकाशी भेजा ताकि राहत कार्यों में तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिले। वे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग और पुनर्वास योजनाओं पर काम कर रहे हैं।

2016 बैच के कअर मेहरबान सिंह बिष्ट उत्तरकाशी के पूर्व DM रह चुके हैं और वर्तमान में अपर सचिव (ऊर्जा एवं सहकारिता) और उरेडा के निदेशक हैं। उनकी स्थानीय अनुभव और आपदा प्रबंधन की समझ ने उन्हें धराली संकट के लिए CM धामी की पहली पसंद बनाया।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः उत्तरकाशी DM के रूप में कार्य, जहां उन्होंने चारधाम यात्रा प्रबंधन और आपदा राहत में अहम भूमिका निभाई।

कार्यशैलीः स्थानीय समुदायों के साथ तालमेल और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता।

धराली में योगदानः बिष्ट को धराली में राहत कार्यों के समन्वय और स्थानीय प्रशासन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे सेना और NDRF के साथ मिलकर बचाव कार्यों को गति दे रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भावनगर मंडल के लोको पायलटों ने अपनी सतर्कता से 05 शेरों को पैसेन्जर ट्रेन की चपेट में आने से बचाया

भावनगर रेलवे मंडल द्वारा सिंहों/वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मंडल के निर्देशानुसार ट्रेनों का संचालन करने वाले लोको पायलट निर्धारित गति का पालन करते हुए विशेष सतर्कता के साथ कार्य कर रहे हैं। भावनगर रेलवे मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता एवं वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकरों की मदद से पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 159 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक कुल 29 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्‍य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की 4.8.2025 (सोमवार) को लोको पायलट श्री बलिराम कुमार (मुख्यालय-जूनागढ़) एवं सहायक लोको पायलट श्री हरदीप गरला (मुख्यालय-जूनागढ़) ने जूनागढ़-वेरावल मीटरगेज सेक्शन के मध्य किमी सं. 11/01 से 11/02 पर चार शेरों (एक शेर, एक शेरनी एवं उनके तीन बच्चे) को रेलवे ट्रैक पर सोया हुआ देखकर जूनागढ़ से वेरावल को

जाने वाली यात्री गाड़ी (52946) को तुरन्त इमरजेन्सी ब्रेक लगाकर रोक लिया। लोको पायलट द्वारा ट्रेन मैनेजर (गार्ड) को सूचित किया गया। फॉरेस्ट ट्रैकर ने आकर शेरों को रेलवे ट्रैक से हटाया और सभी स्थिती नॉर्मल पाये जाने पर लोको पायलट को प्रस्थान करने को कहा। उसके बाद लोको पायलट द्वारा सावधानी पूर्वक ट्रेन को गंतव्य की ओर ले जाया गया।

सूचना प्राप्त होने पर लोको पायलटों के इस सराहनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रशंसा की गई।

ट्रेन संख्या 12935/36 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस के टर्मिनल को सूरत स्टेशन पर पुनर्स्थापित किया गया

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा उधना स्टेशन पर चल रहे कार्य के मद्देनजर 7 अगस्त, 2025 से ट्रेन संख्या 12935/12936 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस के टर्मिनेटिंग/ओरिजिनेटिंग स्टेशन को उधना से सूरत स्टेशन पर पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 12935/12936 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन पर नहीं रुकेगी। सूरत स्टेशन पर ट्रेन का समय इस प्रकार हैः

- ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन के बजाय 10:35 बजे सूरत स्टेशन पर टर्मिनेट होगी।
- ट्रेन संख्या 12936 सूरत-बांद्रा टर्मिनस इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन के बजाय 16:25 बजे सूरत स्टेशन से ओरिजिनेट होगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

श्री दिनेश वर्मा ने सोमवार को भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

श्री दिनेश वर्मा ने 04.08.2025 (सोमवार) को पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले, श्री दिनेश वर्मा कार्यकारी निदेशक/दूरसंचार/आरडीएसओ, लखनऊ के पद पर कार्यरत थे।

श्री दिनेश वर्मा भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएसई) के 1995 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। उन्होंने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर से इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। श्री दिनेश वर्मा ने दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वी तटीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने झांसी/उत्तर मध्य रेलवे में अपर मंडल रेल प्रबंधक और डीएफसीसीआईएल में महाप्रबंधक/एस एंड टी के रूप में भी कार्य किया है।

11 अगस्त से भावनगर-अयोध्या कैंट के बीच प्रत्येक सोमवार को चलेगी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन टिकटों की बुकिंग रविवार से शुरू हो चुकी है

यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस स्टेशन से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के लिए 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को भावनगर-अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः-

- ट्रेन नंबर 19201/19202 भावनगर-अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 19201 भावनगर - अयोध्या कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में, ट्रेन नंबर 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 12 अगस्त, 2025 (मंगलवार) को अयोध्या कैंट स्टेशन से रात्रि 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और गुरूवार को प्रातः 4.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर जंक्शन, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, किशनगढ़, जयपुर जंक्शन, गांधीनगर जयपुर, बाँदीकुई जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, ईदगाह, टूण्डला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ एवं बाराबंकी जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी कोच शामिल हैं।

ट्रेन नंबर 19201 के लिए टिकटों की बुकिंग 03.08.2025 (रविवार) से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को सम्मानित किया गया

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्री राजू भडके द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान रेलवे की सुरक्षित संचालन प्रणाली को सुदृढ़ करने में उनकी सजगता और तत्परता को मान्यता देने हेतु प्रदान किया गया।

सम्मानित कर्मचारियों में श्री फूल चन्द्र वर्मा (स्टेशन अधीक्षक) और श्री दीपक खरे (गाड़ी प्रबंधक) शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

श्री फूल चन्द्र वर्मा (स्टेशन अधीक्षक)

अपनी ड्यूटी के दौरान ट्रेन की निगरानी करते समय उन्होंने एक ट्रेन में टूटा हुआ ब्रेक ब्लॉक देखा और तुरंत मियागांव स्टेशन अधीक्षक को सूचित कर ट्रेन रुकवाई। निरीक्षण में टूटे ब्रेक ब्लॉक की पुष्टि हुई जिसे तत्परता से ठीक किया गया। उनकी सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना टली और रेलवे संपत्ति की रक्षा हुई।

श्री दीपक खरे (ट्रेन मैनेजर)

श्री खरे ने लगातार तीन दिनों में निम्नलिखित घटनाओं पर कुशल प्रतिक्रिया दीः

29 जुलाई 2025झ ट्रेन का निरीक्षण करते समय श्री खरे ने कोच में ब्रेक ब्लॉक और पहियों के बीच धातु के कण फंसे हुए पाए, जिससे पहिए जाम होकर अत्यधिक गर्म हो गए थे। उन्होंने तत्परता से यह जानकारी डिप्टी स्टेशन अधीक्षक एवं सीसीआर/बीआरसी को दी, जिससे समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सकी।

30 जुलाई 2025झ ट्रेन मैनेजर के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने ट्रेन के मध्य भाग में ब्रेक प्रेशर में अचानक गिरावट को पहचाना। तत्क्षण लोको पायलट को फ्लैशर लाइट जलाकर ट्रेन रोकने का निर्देश दिया। निरीक्षण में यह सामने आया कि एक कुत्ता एक वैगन से टकरा गया था, जिससे दो वैगनों की बीपी पाइप डिस्कनेक्ट हो गई थी। श्री खरे ने पाइप को पुनः जोड़ा, एयर प्रेशर को बहाल किया, कंटिन्युटी टेस्ट किया और ट्रेन को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया।

31 जुलाई 2025 झ ड्यूटी आरंभ करते ही उन्होंने स्वयं ट्रेन का निरीक्षण किया, जिसमें ट्रेन के पिछले भाग में स्थित 15वें वैगन में ब्रेक ब्लॉक और पहियों के बीच फंसे धातु के कण पाए। ब्रेक शू पहियों से चिपका हुआ था। श्री खरे ने एक प्वाइंट्समैन की सहायता से कणों को हटवाया, वैगनों की जांच कर उन्हें सुरक्षित पाया और तत्पश्चात ट्रेन को रवाना किया।

उनकी सक्रियता और तकनीकी समझ ने ना केवल गंभीर घटनाओं को रोका, बल्कि समय की बचत और संरक्षा की मिसाल भी कायम की।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने इन कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा,"यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब हमारे कर्मचारी इस प्रकार की सतर्कता और जिम्मेदारी का परिचय देते हैं, तो यह रेलवे के लिए गर्व का विषय होता है।"

पश्चिम रेलवे आम जनता से अपील करता है कि कृपया उचित और वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से जुलाई, 2025 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से प्राप्त किया गया लगभग ₹71 करोड़ का जुर्माना

एसी उपनगरीय लोकल से 93 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना प्राप्त किया गया

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से जुलाई 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल ₹70.98 करोड़ की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 24% अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 11% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त ₹19.55 करोड़ की राशि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जुलाई 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.22 लाख मामलों का पता लगाकर ₹12.19 करोड़ की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के जुलाई के आंकड़ों की तुलना में 134% अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर लगभग 92 हजार मामलों का पता लगाकर प्राप्त किया गया ₹3.65 करोड़ का जुर्माना भी शामिल है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एसी लोकल में केंद्रित अभियानों के परिणामस्वरूप, अप्रैल से जुलाई 2025 के दौरान 28 हजार से अधिक अनधिकृत यात्रियों को दंडित किया गया और उनसे ₹93.40 लाख रुपये जुर्माने के रूप में प्राप्त किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 58% अधिक है। ऐसे उल्लेखनीय परिणाम अनधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं।

भोपाल में पुलिसकर्मियों की बहादुरीः भदभदा तालाब में आत्महत्या की कोशिश कर रही महिला को बचाया!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के भदभदा तालाब में रविवार, 4 अगस्त 2025 की शाम एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जब एक 34 वर्षीय महिला ने पति से विवाद के चलते आत्महत्या की नीयत से तालाब में छलांग लगा दी।

लेकिन, वहां परिवार के साथ घूमने आए पुलिसकर्मियों और एक चौकीदार की तत्परता और बहादुरी ने उसकी जान बचा ली। यह घटना न केवल पुलिसकर्मियों की साहसिकता और मानवता की मिसाल है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संकट के समय एकजुटता से कैसे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है।

घटना का विवरणः आत्महत्या की कोशिश और त्वरित कार्रवाई

4 अगस्त 2025 की शाम करीब 6:30 बजे भदभदा ब्रिज पर एक 34 वर्षीय महिला, जो गोरा गांव की निवासी है, ने अपनी चप्पल और दुपट्टा ब्रिज पर छोड़कर आत्महत्या की नीयत से भदभदा तालाब में छलांग लगा दी। जानकारी के अनुसार, महिला का अपने पति से विवाद हुआ था, जिसके चलते उसने यह खतरनाक कदम उठाया।

उसी समय, रविवार होने के कारण अपने परिवार के साथ भदभदा तालाब के पास घूमने आए हेड कांस्टेबल बलराम नागपुरे ने महिला को तालाब में डूबते देखा। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को आवाज देकर मदद मांगी और महिला को हौसला देने के लिए उसे हाथ हिलाते रहने को कहा। इस दौरान महिला पानी में डूब रही थी और केवल

उसका सिर पानी के ऊपर दिखाई दे रहा था।

चुन्नी से बनाई रस्सीः अनोखा बचाव प्रयास

हेड कांस्टेबल बलराम नागपुरे ने अपनी पत्नी और वहां मौजूद अन्य महिलाओं की मदद से एक अनोखा उपाय निकाला। उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं की चुन्नियां इकट्ठी कीं और लगभग 10-15 चुन्नियों को जोड़कर एक रस्सी बनाई। इस रस्सी को ब्रिज से तालाब में डाला गया ताकि महिला इसे पकड़ सके। महिला ने जैसे ही चुन्नी से बनी इस रस्सी को पकड़ा, वह उसका सहारा लेकर लटक गई।

इसी बीच, भोज बिहार पार्क के चौकीदार अनिल, पिता गजराज सिंह, ने तालाब में छलांग लगा दी। उनके साथ हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा और हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया भी महिला को बचाने के लिए तालाब में कूद पड़े। अनिल तैरकर महिला के पास पहुंचे और चुन्नी की रस्सी के सहारे उसे धीरे-धीरे तालाब के किनारे की ओर ले गए।

पुलिसकर्मियों की एकजुटताः जान बचाने की जंग

हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा और हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया ने अनिल के साथ मिलकर महिला को तालाब से बाहर निकाला और ब्रिज के ऊपर लाए। इस दौरान महिला की हालत गंभीर थी, क्योंकि उसके पेट में काफी पानी भर गया था। तभी वहां से गुजर रहे हेड कांस्टेबल चंचल बस्तवर और हेड कांस्टेबल राजेश विश्वकर्मा ने तुरंत महिला को इलाज के लिए हेजेला हॉस्पिटल पहुंचाया।

अस्पताल में महिला की हालत स्थिर होने तक उसका इलाज चला। सूचना मिलने पर महिला का पति और उसकी बेटी व भतीजी भी अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों के अनुसार, महिला अब खतरे से बाहर है।

पुलिसकर्मियों की सराहनाः वाहन चालक बने हीरो

इस बचाव कार्य में शामिल सभी पुलिसकर्मी वाहन चालक हैं, जो रविवार की छुट्टी के दिन अपने परिवार के साथ भदभदा तालाब घूमने आए थे। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई ने एक अनमोल जिंदगी को बचा लिया। इस साहसिक कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा, कांस्टेबल बलराम नागपुरे, हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया, हेड कांस्टेबल राजेश विश्वकर्मा, हेड कांस्टेबल चंचल बस्तवर और चौकीदार अनिल, पिता गजराज सिंह की जमकर सराहना की है।

सामाजिक संदेशः मानवता की मिसाल

यह घटना न केवल पुलिसकर्मियों की बहादुरी और मानवता को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिखाती है कि संकट के समय एकजुट होकर कैसे किसी की जान बचाई जा सकती है। महिला के पति से विवाद के चलते उठाए गए इस कदम ने मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक रिश्तों की अहमियत को भी उजागर किया है। समाज में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता और संवेदनशीलता की जरूरत है।

औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का 87 फेरों के लिए हुआ विस्तार, देखें डिटेल

(जीएनएस)।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व में चलाई जा रही 05163/05164 औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 06 अगस्त से 31 अक्टूबर,2025 तक प्रतिदिन 87 फेरों हेतु निम्नवत किया जायेगा।

05163 औंड़िहार-सारनाथ डेमू विशेष गाड़ी 06 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक प्रतिदिन

औंड़िहार से 12.35 बजे प्रस्थान कर सिधौना रामपुर से 12.43 बजे, रजवारी से 12.53 बजे तथा कादीपुर से 13.04 बजे छूटकर सारनाथ 13.20 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में, 05164 सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी 06 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक प्रतिदिन सारनाथ से 13.50 प्रस्थान कर कादीपुर से 14.02 बजे, रजवारी से 14.10 बजे तथा सिधौना रामपुर से 14.17 बजे छूटकर औंड़िहार 14.35 बजे पहुंचेगी।

रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ सम्पूर्ण भारतीय रेल पर दो चरणों में मनाया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण के पांचवे दिन 05 अगस्त,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में 05 अगस्त,2025 को लखनऊ मण्डल के गोरखपुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोण्डा स्टेशन, कालोनी तथा रेलवे अस्पताल, ऐशबाग, लखनऊ जं0 स्टेशनों पर तथा बस्ती रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत रेलकर्मियों द्वारा स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी स्लोगन, पोस्टर एवं बैनर के साथ जन-जागरूकता स्वच्छता रैली निकाली गई तथा इन स्टेशनों पर एवं रेलवे कालोनियों में रेलकर्मियों को स्वच्छता सम्बन्धी शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता कार्य किया गया।

8 अगस्त से 28 सितंबर 2025 की भुज-राजकोट स्पेशल ट्रेन निरस्त

पश्चिम रेलवे द्वारा वर्तमान में यात्री संख्या में कमी के मद्देनजर ट्रेन संख्या 09546/09545 भुज-राजकोट-भुज त्रि-साप्ताहिक स्पेशल को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 09546 भुज-राजकोट त्रि साप्ताहिक स्पेशल 08 अगस्त 2025 से 28 सितंबर 2025 तक निरस्त रहेगी।
- ट्रेन संख्या 09545 राजकोट-भुज त्रि साप्ताहिक स्पेशल 07 अगस्त 2025 से 27 सितंबर 2025 तक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

13 सितंबर की भुज-बरेली एक्सप्रेस और वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मण्डल के खातीपुरा स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य के कारण भुज-बरेली एक्सप्रेस और वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- 13 सितंबर 2025 को ट्रेन संख्या 14322 भुज-बरेली एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग फुलेरा-जयपुर-अलवर-रेवाड़ी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी के रास्ते चलेगी। परिवर्तित मार्ग पर यह ट्रेन रींगस,नीमका थाना, नारनौल एवं अटेली स्टेशनों पर रुकेगी।
- 13 सितंबर 2025 को ट्रेन संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-फुलेरा के स्थान परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा के रास्ते चलेगी। परिवर्तित मार्ग पर यह ट्रेन नारनौल, नीमका थाना एवं रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

इंदौर में लोकायुक्त पुलिस की भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और कार्रवाई, रिश्वत लेते केनरा बैंक मैनेजर रंगे हाथों गिरफ्तार!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और सख्त कार्रवाई करते हुए केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कदम उठाने के निर्देशों के तहत की गई।

आइए, इस सनसनीखेज मामले की पूरी कहानी जानते हैं, जिसमें एक बैंक मैनेजर ने सरकारी योजना के तहत स्वीकृत राशि को खाते में डालने के लिए मोटी रिश्वत की मांग की थी।

शिकायतकर्ता और मामलाः डेयरी निर्माण के लिए स्वीकृत राशि का खेल

शिकायतकर्ता श्री विनोद लोवंशी, निवासी रामपुरी रेयक, पोस्ट निशानियां, तहसील हरसूद, जिला खंडवा, ने लोकायुक्त पुलिस को बताया कि उन्हें आचार्य विद्यासागर योजना के तहत दूध डेयरी निर्माण के लिए शासन से 6,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी। इस राशि को उनके बैंक खाते में जमा कराने के लिए केनरा बैंक, छनेरा नया हरसूद शाखा के ब्रांच मैनेजर राधा रमन सिंह राजपूत ने उनसे 75,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

राधा रमन ने रिश्वत की राशि को तीन किश्तों में लेने की योजना बनाई थी। पहली किश्त के रूप में उन्होंने पहले ही 10,000 रुपये ले लिए थे। दूसरी किश्त के रूप में 5,000 रुपये 5 अगस्त 2025 को लेने की बात तय हुई थी, जबकि तीसरी किश्त तब दी जानी थी, जब राशि शिकायतकर्ता के खाते में जमा हो जाती।

लोकायुक्त की चाक-चौबंद रणनीतिः रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी

विनोद लोवंशी ने इस रिश्वतखोरी की शिकायत विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त कार्यालय, इंदौर के पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सहाय को की। शिकायत का सत्यापन करने पर यह सही पाया गया कि ब्रांच मैनेजर राधा

रमन सिंह राजपूत ने रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 अगस्त 2025 को एक ट्रेप का आयोजन किया।

जैसे ही राधा रमन ने शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की दूसरी किश्त अपने हाथों में ली, आसपास पहले से तैनात लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा। इस कार्रवाई में डीएसपी लोकायुक्त सुनील तालान के नेतृत्व में निरीक्षक सचिन पटेरिया, आरक्षक विजय सेलार, अनिल परमार, पवन पटोरिया, टाइपिस्ट प्रभात मोरे, चालक शेरसिंह ठाकुर और दो पंच साक्षी शामिल थे।

कानूनी कार्रवाईः भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी राधा रमन सिंह राजपूत के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा-7 के तहत मामला दर्ज किया है। इस धारा के तहत रिश्वत लेने के अपराध में सख्त सजा का प्रावधान है, जिसमें सात साल तक की कैद और जुर्माना शामिल हो सकता है। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या आरोपी ने पहले भी इस तरह की रिश्वतखोरी की है।

किशोरी और महिलाओं को नहीं है डरने की जरूरत : आईपीएस आशना चौधरी

–कार्यभार ग्रहण करते ही नवागत सीओ सिटी ने दिखाए तेवर

मथुरा (जीएनएस)। आशना का मतलब होता है "साथी" मैं महिलाओं की साथी हूं। किसी भी किशोरी और महिलाओं को डरने की जरूरत नहीं है। अगर अन्याय हो तो अन्याय के खिलाफ पूरे जज्बे से खड़ी हो जाएं। जब भी आवश्यकता लगे तो मुझे फोन कर सकतीं हैं। मैं हर समय सहयोग के लिए तैयार हूं। यह बातें नवागत सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने कहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह दो बार यूपीएससी की परीक्षा में असफल रहीं और निराशा भी हुई, ऐसा लगा कि जैसे कि सबकुछ छिन गया हो लेकिन परिवार ने उन्हें आगे बढ़ने को प्रेरित किया। उन्होंने साहस बटोरा और तीसरे प्रयास में वह सफल हो गईं। परिवार में वह सबसे बड़ी हैं और उनका छोटा भाई व्यवसाय करता है।

आईपीएस सुश्री आशना चौधरी ने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया कि आज उनका पहला दिन है और अपना कार्यक्षेत्र पहचान रहीं हैं। कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि उनका पूरा कार्यक्षेत्र अपराध मुक्त होना चाहिए तथा वह क्राइम पर रिव्यू कर रहीं हैं। बताया कि साप्ताहिक बैठक करके महिला और बच्चों के प्रति अपराधों पर पूरी तरहा से अंकुश लगाएंगी। कहा कि शासन की मंशानुरूप भयमुक्त समाज को प्राथमिकता देने को वह संकल्पित हैं। उन्होंने जनपद की छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वह कठिन परिमश्र करें। मैं छोटी सी जगह से आईपीएस बन सकती हूं, जबकि आप तो बड़े शहर में रहते हो। कहा कि इंटरनेट का युग है, सबकुछ उस पर उपलब्ध है। उनका मानना है कि असफलता भी सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है। उनका कहना है कि यदि वह आईपीएस नहीं बनीं होतीं केच लाइन को द्वितीय लक्ष्य बनाकर चल रही थीं। खेलों में अभिरूचि रखने वाली सुश्री चौधरी पांच किमी की अच्छी धाविका हैं। वह नियमित रूप से व्यायाम करते रहने के बावजूद भी वेजेटेरियन हैं। सुश्री आशना चौधरी 2023 बैच उत्तर प्रदेश कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं। उनका जन्म 28 अगस्त को 1998 को हापुड़ के कस्बा पिलखुआ में हुआ है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य मे बीए आनर्स एवं साउथ एशियन यूनिवर्सिटी दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय संबंध में एमए किया है। सुश्री आशना चौधरी ब्यूटी विद ब्रेन के रूप में जानी जाती हैं। उनके पिता प्रो. अजीत सिंह सरकारी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं और मां गृहणी हैं।

जब पेड़ बना बाधा, दरोगा ने खुद थामी कुल्हाड़ी और खोला रास्ता

(जीएनएस)।
बिजनौर।

कभी-कभी हालात ऐसे होते हैं जब वदीर्धारी अपनी ड्यूटी से आगे बढ़कर मानवता और कर्तव्य की मिसाल पेश करते हैं। मंगलवार सुबह बिजनौर के बाईपास रोड पर कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब तेज बारिश के चलते एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया और रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया।

घटना सुबह लगभग चार बजे की है। उस वक्त ट्रैफिक कम था, लेकिन कुछ ही घंटों में सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सुबह 6 बजे के आसपास हालात चिंताजनक हो चुके थे। सावन यात्रा की तैयारियों और ट्रकों की बढ़ती आवाजाही ने समस्या को और जटिल बना दिया।

वन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन दो घंटे बीत जाने के बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा। ऐसे में ट्रैफिक दरोगा रवि नैन ने जिम्मेदारी उठाई और कुल्हाड़ी मंगाकर पेड़

काटने का फैसला किया। उन्होंने बिना किसी झिझक के पेड़ पर कुल्हाड़ी चलाना शुरू किया और उनके साथ मौजूद सिपाहियों ने भी सहायता की।

करीब एक घंटे की मेहनत के बाद पेड़ पूरी तरह हटा दिया गया और सड़क को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया। इस दौरान राहगीरों ने दरोगा की इस पहल का वीडियो बनाया, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोग उनके साहस और तत्परता की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि सावन यात्रा को लेकर लगाया गया डायवर्जन ठीक एक दिन पहले ही हटाया गया था, जिससे हाईवे पर ट्रैफिक फिर से सामान्य हुआ था। ऐसे में समय पर पेड़ न हटता तो पूरे शहर को दिनभर जाम से जूझना पड़ता।

दरोगा रवि नैन की यह कार्रवाई न सिर्फ जिम्मेदारी का उदाहरण बनी, बल्कि यह भी दिखा गई कि जमीनी स्तर पर निर्णय लेने वाले अफसर ही असली "सिस्टम" को चलाते हैं।

बिहार बायोफ्यूल डायलॉग्स 2025 में बायोफ्यूल नीति 2025 का भव्य शुभारंभ

(जीएनएस)।

बिहार सरकार ने बिहार बायोफ्यूल डायलॉग्स 2025 में अपनी संशोधित बायोफ्यूल उत्पादन नीति शुरू की, जिसका उद्देश्य हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। प्रमुख अधिकारियों ने सतत विकास के लिए नीति के संभावित लाभों पर प्रकाश डाला।

बिहार सरकार के उद्योग विभाग द्वारा आयोजित "बिहार बायोफ्यूल डायलॉग्स 2025" का सफल आयोजन पटना स्थित होटल मौर्य में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर राज्य की बहुप्रतीक्षित बायोफ्यूल उत्पादन प्रोत्साहन (संशोधित) नीति 2025 का औपचारिक अनावरण किया गया। यह नीति राज्य में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने, किसानों की आय में वृद्धि करने और सतत विकास को गति देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। बायोफ्यूल उत्पादन प्रोत्साहन (संशोधित) नीति 2025 का औपचारिक अनावरण माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी और माननीय उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंच पर माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार, श्री सम्राट चौधरी, माननीय उद्योग मंत्री श्री

नीतीश मिश्रा, श्री मिहिर कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव, उद्योग विभाग, श्रीमती विजय लक्ष्मी, अपर मुख्य सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, श्री सुरेश कुमार रुंगटा, माननीय अध्यक्ष, बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग, श्री कुंदन कुमार, प्रबंध निदेशक, इक्अउ्अ, श्री सुधीर कुमार पोरिका, डीआईजी, बिहार अग्निशमन सेवा एवं होमगार्ड, श्री मुकुल कुमार गुप्ता, उद्योग निदेशक, श्री शेखर आनंद, निदेशक, तकनीकी, उद्योग विभाग, श्री यशपाल मीणा, निदेशक, हस्तशिल्प एवं रेशम उद्योग, श्री विजय प्रकाश मीणा, अपर सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग उपस्थित थे।

श्री यशपाल मीणा, निदेशक, हस्तशिल्प एवं रेशम उद्योग निदेशालय ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह ने बिहार में बायोफ्यूल, विशेष रूप से सीबीजी उत्पादन की संभावनाओं और नई नीति के प्रभावों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि बिहार में सीबीजी उत्पादन हरित ऊर्जा को बढ़ावा देगा और किसानों, उद्यमियों तथा पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। नीति में किए गए संशोधन निवेशकों के लिए स्पष्ट दिशा और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं।

माननीय उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि बायोफ्यूल सेक्टर में बिहार की नीति नवाचार, निवेश और नवसृजन को प्रेरित करने वाली है। यह न केवल राज्य की हरित ऊर्जा की दिशा में प्रतिबद्धता को दशार्ती है, बल्कि किसानों के लिए नए अवसर भी लेकर आती है। आने वाले समय में बिहार बायोफ्यूल उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। ये नीति माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत की ओर महत्तवपूर्ण कदम है।

माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को सीबीजी जैसे विकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वेस्ट टू वेल्थ की सोच को साकार करने का यह सही समय है, जिससे राज्य को आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक लाभ मिलेगा। यह नीति आने वाले वर्षों में हरित बिहार की दिशा में मजबूत आधार बनेगी।

"इंडस्ट्री स्पीक्स" सत्र में विभिन्न निवेशकों ने राज्य सरकार की नीति की सराहना की और सीबीजी क्षेत्र में निवेश की गंभीर इच्छा जताई। वर्तमान में बिहार में 12 इथेनॉल इकाइयां कार्यरत हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 1617.5 किलोलीटर प्रति दिन है।

इक्अउ्अ चयनित औद्योगिक क्षेत्रों में सीबीजी इकाइयों के लिए ओएमसी और निजी आपूर्तिकर्ताओं को 25% औद्योगिक भूमि 30 वर्षों के लिए 75,000 रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष की दर पर पट्टे पर देगा। इस आयोजन के पश्चात बिहार को महत्वपूर्ण निवेश प्राप्त होने की संभावना है, जो राज्य के आर्थिक और पर्यावरणीय विकास को और गति देगा।

सहसपुर देहात में बारिश का कहर, दर्जी का परिवार छत विहीन

(जीएनएस)।
बिजनौर।

लगातार हो रही बारिश ने गरीब परिवारों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। स्योहारा थाना क्षेत्र के सहसपुर देहात गांव निवासी अरशद पुत्र मरगूब के मकान की छत भारी बारिश के चलते भरभरा कर गिर गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य किसी दूसरे हिस्से में थे, जिससे कोई जानहानि नहीं हुई, लेकिन पूरा परिवार बेघर हो गया।

अरशद पेशे से दर्जी हैं और बेहद सीमित आय में किसी तरह छह बच्चों का पालन-पोषण कर रहे हैं। बारिश से गिरी छत के बाद अब परिवार खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को मजबूर है। ग्रामीणों और पड़ोसियों ने कुछ अस्थायी सहायता जरूर दी, लेकिन स्थायी राहत की अब भी प्रतीक्षा है।

ग्राम प्रधान आदिल ने जानकारी दी कि अरशद का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में शामिल हो चुका है, मगर अभी तक बैंक खाते में आवास निर्माण की धनराशि नहीं आई है। ग्राम प्रधान ने यह भी आश्वासन दिया कि ग्राम पंचायत स्तर से परिवार को तत्काल कुछ आर्थिक सहायता मुहैया कराई जाएगी।

बीते दो-तीन दिनों से जिले भर में लगातार मूसलधार बारिश हो रही है, जिससे कई कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण इलाकों में खासकर ऐसे परिवार जो अभी तक सरकारी आवास से वंचित हैं, इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय प्रशासन से मांग उठ रही है कि ऐसे परिवारों की प्राथमिकता के आधार पर मदद की जाए।

'बालिका वधू' फेम अविका गौर ने 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' के ग्रैंड प्रीमियर पर मिलिंद चंदवानी से शादी की घोषणा की

'बालिका वधू' में भारत की सबसे प्रतिष्ठित बालिका वधू का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब अपनी खुद की प्रेम कहानी लिख रही हैं - और यह किसी परीकथा से कम नहीं है। आनंदी के रूप में दर्शकों के दिल जीतने वाली अविका गौर ने सपनों जैसे मोड़ में अपने लंबे समय से साथी रहे मिलिंद चंदवानी से शादी करने की घोषणा की — ठीक उसी चैनल कलर्स पर, जहां से उनकी स्टारडम की यात्रा शुरू हुई थी।

चैनल के नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' के ग्रैंड प्रीमियर को लेकर उत्साह चरम पर है। यह शो हाई ड्रामा, सच्ची भावनाओं और अनपेक्षित पलों से भरपूर होने का वादा करता है। आने वाले प्रीमियर एपिसोड में अविका गौर को अपने शुरूआती दिनों के 'बालिका वधू' के यादगार दृश्यों को देखते हुए भावुक होते हुए देखा जाएगा, जब उनकी आंखों में आंसू छलक आते हैं। लेकिन यह भावुक माहौल अचानक मजेदार बन जाता है जब शो एक सरप्राइज देता है — ह्यबालिका वधूह्न के एक क्लासिक सीन का एआई-जेनरेटेड वर्जन, जिसमें जगदीश की जगह उनके मंगेतर मिलिंद का चेहरा दिखाया जाता है। यह पल पूरे सेट पर हंसी और खुशी की लहर दौड़ा देता है।

जैसे ही भावनाएं चरम पर पहुंचती हैं, अविका गौर एक निजी खुलासा करती हैं झ वह उसी शो पर मिलिंद से शादी करने जा रही हैं, जिसने उनकी अविश्वसनीय यात्रा की शुरूआत की थी। यह दिल को छू लेने वाला पल प्रीमियर एपिसोड में कैद होगा, जो इस

सीजन की अविस्मरणीय शुरूआत बनेगा — प्रेम, विकास और परिवर्तन का एक सच्चा जश्न।

बड़ी घोषणा पर बोलते हुए अविका गौर ने कहा, ह्लइस जगह लौटना, जहां से सब शुरू हुआ था, कृतज्ञता, पुरानी यादों और एक नए उद्देश्य के साथ झ बेहद पोएटिक लग रहा है। ह्यबालिका वधूह्न ने मुझे और कई लोगों को यह सिखाया कि विकल्प की ताकत क्या होती है और अपनी किस्मत को दोबारा लिखने का साहस कितना जरूरी है। सालों बाद, मैं कलर्स पर लौटी हूं, अब आनंदी के रूप में नहीं, बल्कि अविका गौर के रूप में झ एक ऐसी महिला, जो जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला लेने को तैयार है। मेरे मंगेतर मिलिंद मेरे सफर के साथी, मेरे सबसे बड़े सहयोगी और वह इंसान हैं जो मुझे किरदारों और स्क्रिप्ट्स से परे देखते हैं। जब उन्होंने मुझसे जिंदगी भर उनके साथ रहने को कहा, तो मैंने अपने जीवन का सबसे आसान ह्यहांह्न कहा। हम दो अपूर्ण लोग हैं, जो साथ में बढ़ने, एक-दूसरे को चुनौती देने और कुछ वास्तविक बनाने का चुनाव कर रहे हैं। इससे बेहतर जगह मैं अपनी शादी की घोषणा नहीं कर सकती थी। ह्यपति पत्नी और पंगाह्न पर यह घोषणा करना मेरे लिए प्रतीकात्मक और व्यक्तिगत दोनों है। कलर्स के दर्शकों ने मुझे बालिका वधू के रूप में अपनाया था और अब मैं चाहती हूं कि वे इस नए सफर के गवाह बनें। जिन्होंने मुझे सालों पहले बालिका वधू के रूप में अपनाया था, उनसे मैं अब अनुरोध करती हूं कि वे मुझे वास्तविक जीवन की वधू के रूप में आशीर्वाद दें। यह मेरे लिए एक ह्यफुल-सर्कल मोमेंटह्न है, और मैं बेहद आभारी हूं कि इसे उन लोगों के साथ साझा कर रही हूं जिन्होंने मेरी यात्रा को आकार दिया ह्न

नीविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत कर रहा है ह्यपति पत्नी और पंगाह्न जोड़ियों का रियलिटी चेकह्न। को-पावर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, राजधानी बेसन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोर होम एयर फ्रेशनर्स और एन्वी परफ्यूम्स। स्पेशल पार्टनर: विक्रम इलायची टी, कोलगेट और कैच मसाले। शो का प्रीमियर 2 अगस्त को होगा और इसके बाद हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे सिर्फ कलर्स पर प्रसारित होगा।

नई रेनॉल्ट ट्राइबर का लखनऊ हजरतगंज स्थित शोरूम में शानदार अनावरण

दमदार फीचर्स और आकर्षक लुक के साथ लॉन्च

लखनऊ, 5 अगस्त 2025 - लखनऊ में ऑटोमोबाइल प्रेमियों का इंतजार खत्म हुआ! रेनो लखनऊ (एम0 जी0 चैरियट्स प्रा. लि.) ने आज अपने हजरतगंज स्थित शोरूम में नई रेनॉल्ट ट्राइबर को धूमधाम से लॉन्च किया। यह अनावरण एक भव्य समारोह में हुआ, जहाँ शहर के गणमान्य व्यक्ति और ऑटोमोबाइल जगत के विशेषज्ञ मौजूद थे। इस खास मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में नमिता द्विवेदी (मैनेजर, रउर रढश) और मनमोहन यादव (स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर उरउ) उपस्थित थे। ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री आशीष अग्रवाल और उनकी पत्नी श्रीमती वंदिता अग्रवाल ने भी इस समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रेनो इंडिया प्रा0 लि0 की ओर से अरट श्री जितेश सिंह और

विभिन्न बैंकों के प्रबंधक भी इस अनावरण के साक्षी बने। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों में नई ट्राइबर को लेकर उत्साह देखने लायक था, और कई लोगों ने मौके पर ही अपनी बुकिंग भी कराई। बदलाव के साथ और भी बेहतर नई रेनॉल्ट ट्राइबर को 35 से भी ज्यादा नए फीचर्स और अपडेट्स के साथ पेश किया गया है, जो इसे पहले से कहीं ज्यादा दमदार और सुरक्षित बनाते हैं। इस गाड़ी में 22 नए इंटीरियर और एक्सटीरियर अपडेट्स दिए गए हैं। यह अब 3 डुअल टोन और 6 मोनो टोन रंगों में उपलब्ध है, जिनमें एंबर तेराकोटा, शैडो ग्रे और जंस्कार ब्लू जैसे आकर्षक विकल्प शामिल हैं। सुरक्षा और सुविधा का बेजोड़ संगम सुरक्षा के मामले में भी नई ट्राइबर कोई समझौता नहीं करती। इसमें 24 सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें 6 एयरबैग्स, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, फॉलो-मी-होम हेडलैम्प्स और टेक-ए-ब्रेक रिमाइंडर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। सुविधा के लिए, इसमें 7 नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जिनमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, ऑटो हेडलैंप्स, रेन-सेंसिंग वाइपर्स (केवल मैनुअल वेरिएंट में), क्रूज कंट्रोल, क्रडत्रक्र चाइल्ड सीट एंकर और ऑटो फोल्ड डफ्स्टर जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं। नए वेरिएंट्स और आकर्षक कीमत नई ट्राइबर को अब चार नए वेरिएंट्स ऑर्थटिक, इवोल्यूशन, टेक्नो और इमोशन में लॉन्च किया गया है, जिसकी शुरूआती कीमत ₹6,29,995 (एक्स-शोरूम) है। कंपनी इस गाड़ी पर अधिकतम 7 साल तक की अनलिमिटेड किलोमीटर की वारंटी भी दे रही है। आज से सभी डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो गई है। इस लॉन्च को मीडिया, अतिथियों और ग्राहकों ने खूब सराहा। सभी ने नई ट्राइबर के नए लुक और बेहतरीन फीचर्स की जमकर तारीफ की।

बिजनौर: बारिश से गिरा कच्चा मकान, तीन वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत

(जीएनएस)।

मंगलवार की सुबह जनपद बिजनौर के जंदरपुर गांव में हुई एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते गांव के निवासी शाहिद का कच्चा मकान भरभराकर गिर पड़ा। इस दर्दनाक हादसे में उसकी तीन वर्षीय बेटी चाहत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बेटियां आयात (4 वर्ष) और अलीशा (2 वर्ष) घायल हो गईं।

घटना सुबह करीब 9 बजे की है, जब शाहिद का परिवार घर के भीतर बैठकर नाश्ता कर रहा था। तभी अचानक मकान का एक बड़ा हिस्सा ढह गया और तीनों बच्चियां मलबे में दब गईं। मोहल्ले में मची चीख-पुकार के बीच आसपास के लोग मौके पर दौड़े और मलबा हटाकर बच्चियों को बाहर निकाला। चाहत को बचाया नहीं जा सका, जबकि घायल आयात और अलीशा का गांव में ही इलाज चल रहा है।

शाहिद पेशे से फेरीवाला हैं और दिनभर मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका कच्चा मकान पहले से ही बेहद जर्जर स्थिति में था, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उसकी मरम्मत संभव नहीं हो सकी। लगातार हो रही बारिश ने आखिरकार उस मकान को गिरा ही दिया, जिसकी कीमत एक मासूम की जान से चुकानी पड़ी।

हादसे के बाद जंदरपुर गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों की आंखें नम हैं और लोग गरीब परिवार की पीड़ा से व्यथित हैं। दुख की बात यह है कि घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी अब तक कोई राजस्व टीम मौके पर नहीं पहुंची, न ही प्रशासन की ओर से किसी सरकारी सहायता या मुआवजे की घोषणा की गई है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शाहिद को अविलंब आर्थिक सहायता दी जाए, मृत बच्ची के परिवार को उचित मुआवजा, और अन्य बच्चों की सुरक्षा के लिए रहने के लिए सुरक्षित आवास की व्यवस्था की जाए। साथ ही, अधिकारियों से आग्रह किया गया है कि गांव में मौजूद अन्य जर्जर मकानों की भी जांच की जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

बढ़ापुर में बढ़ता जलस्तर: खतरे की आशंका

अलर्ट मोड पर बढ़ापुर प्रशासन, नदी किनारे बसा गांव आया निगरानी में

(जीएनएस)।
बिजनौर।

जनपद के बढ़ापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सारंगवाला में हो रही लगातार वर्षा के चलते खो नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। संभावित आपदा की आशंका को भांपते हुए मंगलवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) नगीना डॉ. अंजनी चतुर्वेदी और उपजिलाधिकारी (एसडीएम) ने मौके पर पहुंचकर नदी के आसपास के इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें संभावित खतरे से सावधान रहने को कहा। विशेष तौर पर यह निर्देश दिया गया कि ग्रामीण बच्चों और मवेशियों को नदी के समीप न जाने दें, क्योंकि जल प्रवाह तेज होने की स्थिति में जानमाल का खतरा हो सकता है।

सीओ और एसडीएम ने किसानों से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी कि फिलहाल फसलों को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है, लेकिन यदि जलस्तर में इसी प्रकार बढ़ोत्तरी होती रही, तो नुकसान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क

करें। साथ ही, लोगों से सतर्क रहने, समूह में कार्य करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की अपील की गई।

निरीक्षण के समय ग्राम प्रधान समेत कई स्थानीय लोग भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की यह त्वरित सक्रियता ग्रामीणों में राहत का कारण बनी और लोगों ने अधिकारियों की मौजूदगी पर संतोष जताया।